

December 1, 2023

Page 2-3
आमर उजाला

PAGE-5

आपदा प्रबंधन के प्रति किया जागरूक

लखनऊ। राजधानी स्थित इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में बृहस्पतिवार को आपदा जोखिम नवीनीकरण का एकीकरण विषय पर प्रशिक्षण, कार्यशाला आयोजित हुई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सलाहकार ब्रिगेडियर पीके सिंह ने पर्यावरणीय संकटों के प्रति सक्रिय दृष्टिकोण की जरूरतों पर अपनी बात रखी, आपदा प्रबंधन में अपने व्यापक अनुभव को सामने रखा। (संवाद)

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

PAGE-6

जवानों ने रेस्क्यू के तरीके बताए

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में जीआईएस-आपदा जोखिम नवीनीकरण का एकीकरण पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला हुई। एसडीआरएफ के 31 जवानों ने रेस्क्यू के तरीके बताए। एसडीआरएफ डिप्टी कमांडेंट, एडिशनल एसपी शोएब इकबाल ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के साथ पांच दिसंबर को एमओयू हस्ताक्षर करने का ऐलान किया है। यूपीएसडीएमए उपाध्यक्ष एवीएसएम लेफ्टिनेंट जनरल रवींद्र प्रताप साही, कुलसचिव प्रो. हारिस सिद्दीकी आदि रहे।

December 6, 2023

आमर उजाला

PAGE- My City-5

आपदा में जोखिम कम करने पर चर्चा



लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के पर्यावरण विज्ञान विभाग में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जीआईएस के एकीकरण विषय पर आयोजित साप्ताहिक कार्यशाला का मंगलवार को समापन हो गया। मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा के विशेष सचिव डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र ने प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और आपदाओं की भविष्यवाणी के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस की उपयोगिता पर चर्चा की। इस मौके पर राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के बीच एक एमओयू हुआ। इस पर डॉ. सतीश कुमार और डॉ. हारिस सिद्दीकी ने हस्ताक्षर किए। प्रो. शाहिद अली खान, प्रो. एमए खालिद, प्रो. अब्दुल रहमान खान, डॉ. अंबरीना सरदार खान आदि मौजूद रहे। (संवाद)

December 6, 2023



लखनऊ ● बुधवार 06 दिसम्बर

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जीआईएस के एकीकरण पर साप्ताहिक कार्यक्रम का समापन

लखनऊ(सिग्मा न्यूज़)। एक लचीले और टिकाऊ समुदाय हेतु आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जीआईएस के एकीकरण पर एक सप्ताह तक चलने वाला व्यापक कार्यक्रम 5 दिसंबर, 2023 को संपन्न हुआ। इसका आयोजन 29 नवंबर से 5 दिसंबर, 2023, तक पर्यावरण विज्ञान विभाग, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), उत्तर प्रदेश की एक सहयोगी पहल के रूप में किया गया जिस का उद्देश्य जीआईएस के अनुप्रयोग के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र आईएएस, विशेष सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश, ने इस तरह के समर्थन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और प्रभावी आपदा के लिए प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के महत्व को दोहराया। उन्होंने आपदाओं की

समझ पर प्रतिभागियों के साथ अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की और प्रारंभिक



चेतावनी प्रणालियों और आपदाओं की भविष्यवाणी के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस की उपयोगिता को दर्शाया।

प्रोफेसर सुनील कुमार डे, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ जियोमोर्फोलॉजिस्ट (आईएजी) के अध्यक्ष और नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), मेघालय के भूगोल विभाग के शिक्षक सत्र में ऑनलाइन

शामिल हुए और जीआईएस एकीकरण के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा

किया। उन्होंने आपदा जोखिम में कमी हेतु अपनी व्यापक विशेषज्ञता के साथ चर्चा को समृद्ध करने अक प्रयास किया।

डॉ. सतीश कुमार, पुलिस अधीक्षक एवं कमांडेंट, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) लखनऊ, उत्तर प्रदेश, समापन सत्र के दौरान एक विशेष अतिथि थे। सत्र के दौरान, राज्य आपदा प्रतिक्रिया

बल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश एवं इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर डॉ. सतीश कुमार और डॉ. हरिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटरनल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, द्वारा हस्ताक्षर भी किया गया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) शाहिद अली खान, ओएसडी, कुलपति, डीन छात्र कल्याण, प्रोफेसर एम.ए. खालिद, डीन विज्ञान संकाय, प्रोफेसर अब्दुल रहमान खान, परीक्षा नियंत्रक, डॉ. अंबरीना सरदार खान, प्रमुख पर्यावरण विज्ञान, और अन्य सदस्य मौजूद थे।

प्रोफेसर सय्यद अकील अहमद, निदेशक, एचआरडीसी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, और चांसलर के सलाहकार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने समापन टिप्पणी दी। डॉ. अंबरीना सरदार खान, डॉ. मो. उसामा और डॉ. स्वाति मौर्य सहित समग्र आयोजक टीम को उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई और सराहना दी गई और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

December 6, 2023



राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

युनाइटेड भारत

हिन्दी दैनिक

PAGE-2

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जीआईएस के एकीकरण पर साप्ताहिक कार्यक्रम का समापन

लखनऊ। एक लचीले और टिकाऊ समुदाय हेतु आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जीआईएस के एकीकरण पर एक सप्ताह तक चलने वाला व्यापक कार्यक्रम 5 दिसंबर, 2023 को संपन्न हुआ। इसका आयोजन 29 नवंबर से 5 दिसंबर, 2023, तक पर्यावरण विज्ञान विभाग, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), उत्तर प्रदेश की एक सहयोगी पहल के रूप में किया गया जिस का उद्देश्य जीआईएस के अनुप्रयोग के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र आईएस, विशेष सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश, ने इस तरह के समर्थन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और प्रभावी आपदा के लिए प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के महत्व को दोहराया। उन्होंने आपदाओं की समझ पर प्रतिभागियों के साथ अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की



और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और आपदाओं की भविष्यवाणी के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस की उपयोगिता को दर्शाया।

प्रोफेसर सुनील कुमार डे, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ जियोमोर्फोलॉजिस्ट (आईएजी) के अध्यक्ष और नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), मेघालय के भूगोल विभाग के शिक्षक सत्र में ऑनलाइन शामिल हुए और जीआईएस एकीकरण के वैश्वक परिप्रेक्ष्य में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा किया। उन्होंने आपदा जोखिम में कमी हेतु अपनी व्यापक विशेषज्ञता के साथ चर्चा को समृद्ध करने अक

प्रयास किया। डॉ. सतीश कुमार, पुलिस अधीक्षक एवं कमांडेंट, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) लखनऊ, उत्तर प्रदेश, समापन सत्र के दौरान एक विशेष अतिथि थे। सत्र के दौरान, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश एवं इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर डॉ. सतीश कुमार और डॉ. हरिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटरनल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, द्वारा हस्ताक्षर भी किया गया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) शाहिद अली खान, ओएसडी, कुलपति, डीन छत्र कल्याण, प्रोफेसर एम.ए. खालिद,

डीन विज्ञान संकाय, प्रोफेसर अब्दुल रहमान खान, परीक्षा नियंत्रक, डॉ. अंबरीना सरदार खान, प्रमुख पर्यावरण विज्ञान, और अन्य सदस्य मौजूद थे।

प्रोफेसर सय्यद अकील अहमद, निदेशक, एचआरडीसी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, और चांसलर के सलाहकार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने समापन टिप्पणी दी। डॉ. अंबरीना सरदार खान, डॉ. मो. उसामा और डॉ. स्वाति मौर्य सहित समग्र आयोजक टीम को उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई और सराहना दी गई और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

December 6, 2023



PAGE-3

हिन्दी दैनिक
www.eksandesh.org
एक संदेश



आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जीआईएस के एकीकरण पर साप्ताहिक कार्यक्रम का समापन

लखनऊ। एक लचीले और टिकाऊ समुदाय हेतु आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जीआईएस के एकीकरण पर एक सप्ताह तक चलने वाला व्यापक कार्यक्रम 5 दिसंबर, 2023 को संपन्न हुआ। इसका आयोजन 29 नवंबर से 5 दिसंबर, 2023, तक पर्यावरण विज्ञान विभाग, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), उत्तर प्रदेश की एक सहयोगी पहल के रूप में किया गया जिस का उद्देश्य जीआईएस के अनुप्रयोग के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र आईएस, विशेष सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश, ने इस तरह के समर्थन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और प्रभावी आपदा के लिए प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के महत्व को दोहराया। उन्होंने आपदाओं की समझ पर प्रतिभागियों के साथ अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की



और प्रारंभिक चेतानवी प्रणालियों और आपदाओं की भविष्यवाणी के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस की उपयोगिता को दर्शाया। प्रोफेसर सुनील कुमार डे, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ जियोमोर्फोलॉजिस्ट (आईएजी) के अध्यक्ष और नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), मेघालय के भूगोल विभाग के शिक्षक सत्र में ऑनलाइन शामिल हुए और जीआईएस एकीकरण के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा किया। उन्होंने आपदा जोखिम में कमी हेतु अपनी व्यापक विशेषज्ञता के साथ चर्चा को समृद्ध करने अक

प्रयास किया। डॉ. सतीश कुमार, पुलिस अधीक्षक एवं कमांडेंट, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) लखनऊ, उत्तर प्रदेश, समापन सत्र के दौरान एक विशेष अतिथि थे। सत्र के दौरान, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश एवं इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर डॉ. सतीश कुमार और डॉ. हरिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, द्वारा हस्ताक्षर भी किया गया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) शाहिद अली खान, ओएसडी, कुलपति, डीन छात्र कल्याण, प्रोफेसर एम.ए. खालिद,

डीन विज्ञान संकाय, प्रोफेसर अब्दुल रहमान खान, परीक्षा नियंत्रक, डॉ. अंबरीना सरदार खान, प्रमुख पर्यावरण विज्ञान, और अन्य सदस्य मौजूद थे। प्रोफेसर सय्यद अकील अहमद, निदेशक, एचआरडीसी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, और चांसलर के सलाहकार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने समापन टिप्पणी दी। डॉ. अंबरीना सरदार खान, डॉ. मो. उसामा और डॉ. स्वाति मौर्य सहित समग्र आयोजक टीम को उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई और सराहना दी गई और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

December 6, 2023

दैनिक जागरण

PAGE-4

inext

DYNAMIC
EDITION



#Gyanvani
#Gyanvani
#Gyanvani



रिमोट सेंसिंग, जीआईएस की महत्वपूर्ण उपयोगिता



LUCKNOW (5 Dec, inext): एक लचीले और टिकाऊ समुदाय को आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जीआईएस के एकीकरण पर एक सप्ताह तक चलने वाला व्यापक कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हुआ. इसका आयोजन 29 नवंबर से 5 दिसंबर तक पर्यावरण विज्ञान-विभाग, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल एसडीआरएफ उत्तर प्रदेश की एक सहयोगी पहल के रूप में किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र, विशेष सचिव, उच्च शिक्षा ने प्रभावी आपदा के लिए प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के महत्व को दोहराया. उन्होंने प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और आपदाओं की भविष्यवाणी के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस

की उपयोगिता को दर्शाया. वहीं, प्रो. सुनील कुमार डे, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ जियोमोर्फोलॉजिस्ट के अध्यक्ष और नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी मेघालय के भूगोल विभाग के शिक्षक सत्र में ऑनलाइन शामिल हुए और जीआईएस एकीकरण के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा किया. वहीं, डॉ. सतीश कुमार, पुलिस अधीक्षक एवं कमांडेंट, राज्य आपदा मोचन बल समापन सत्र के दौरान एक विशेष अतिथि थे. सत्र के दौरान एमओयू पर डॉ. सतीश कुमार और डॉ. हरिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी द्वारा हस्ताक्षर भी किया गया. इस अवसर पर प्रो. शाहिद अली खान, ओएसडीए कुलपति, डीन छात्र कल्याण, प्रो. एमए खालिद समेत अन्य मौजूद रहे.

CSIR-NBRI and Integral University Lucknow Forge Strategic Partnership with a 3-Year Memorandum of Understanding

By AapkiKhabar newsDec 14, 2023, 17:23 IST



Lucknow, 13 December 2023– In a remarkable development, CSIR-NBRI (Council of Scientific and Industrial Research - National Botanical Research Institute) and Integral University Lucknow have officially entered into a Memorandum of Understanding (MoU) for a three-year duration. This historic collaboration, marked by the signing ceremony at Integral University Lucknow, was attended by prominent figures, including Prof. Syed Waseem Akhtar, Chancellor IU; Dr. Syed Nadeem Akhtar, Pro-Chancellor IU; Syed M. Fauzan Akhtar, Executive Director IIMSR, and Deans and Directors from various faculties. Prof. Haris Siddiqui, Registrar IU and Dr Manish S Bhojar, senior scientist NBRI-CSIR were the witness and Dr M.Atif Siddiqui coordinator MoU Cell IU were also present in this prestigious event.



Recognizing the paramount importance of a robust connection between national laboratories and universities in the realm of research and academic endeavors, this strategic alliance aims to bridge the gap and enhance synergy between the scientific community and the academic sphere.

The MoU signing ceremony took place on 13 December at Integral University with representatives from both CSIR-NBRI and Integral University Lucknow present to mark the occasion. This collaboration is poised to pave the way for joint research initiatives, knowledge exchange programs, and collaborative academic pursuits.

Dr Ajit Kumar Shasany, Director at CSIR-NBRI, expressed enthusiasm about the partnership, stating, "This collaboration signifies a commitment to advancing scientific research and academic excellence. By pooling our resources and expertise, we aim to make significant strides in addressing key challenges and contributing to the scientific knowledge base."

Integral University Lucknow, known for its commitment to academic innovation and research, sees this partnership as an opportunity to further enrich the learning experience for students and faculty alike.

Prof. Javed Musarrat, Vice Chancellor at Integral University, shared, "This MoU opens new avenues for our students to engage in cutting-edge research and benefit from the wealth of knowledge present at CSIR-NBRI. We look forward to a fruitful collaboration that will undoubtedly elevate the academic and research landscape."

With Integral University recently achieving a NAAC A+ ranking, the institution's dedication to maintaining high academic standards is evident. This accolade serves as a testament to Integral University's commitment to providing quality education and fostering research and innovation. Over the next three years, CSIR-NBRI and Integral University Lucknow will work closely to implement joint research projects, organize scientific conferences, and facilitate faculty and student exchanges. The partnership is expected to yield valuable contributions to scientific advancements and foster a culture of collaboration and innovation.

About CSIR-NBRI:

CSIR-NBRI, based in Lucknow, is a premier plant science research institute under the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR). Known for its pioneering work in the field of plant sciences, CSIR-NBRI is dedicated to advancing knowledge and contributing to the nation's scientific and industrial progress.

About Integral University Lucknow:

Integral University, located in Lucknow, is a leading private university committed to providing quality education and fostering research and innovation. With a focus on academic excellence and holistic development, the university strives to nurture future leaders and contribute to societal well-being. Recently achieving a NAAC A+ ranking, Integral University stands as a beacon of educational quality and innovation.

December 15, 2023

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

PAGE-5

NBRI व इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में MOU



राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं व विश्वविद्यालयों के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने को किया हस्ताक्षर

लखनऊ (एसएनबी)। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के साथ इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति, प्रो.जावेद मुसरत और डॉ. अजीत कुमार, निदेशक, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान ने हस्ताक्षर किए। कुलपति, प्रो.जावेद मुसरत ने कहा कि अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के संदर्भ में यह राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और विश्वविद्यालयों के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने के लिए हस्ताक्षरित किया गया है।

December 15, 2023

आमर उजाला

PAGE MyCity-5

लखनऊ
एकवार, 1
नवंबर
विक्रम संकर

इंटीग्रल विवि व एनबीआरआई में हुआ एमओयू



लखनऊ। इंटीग्रल विवि और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) ने बृहस्पतिवार को शैक्षिक सहयोग के उद्देश्य से एमओयू किया। कुलपति प्रो. जावेद मुसरत व संस्थान के डॉ. अजीत शासनी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि समझौते का उद्देश्य एक संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करना है, जहां एनबीआरआई और इंटीग्रल विवि में पारस्परिक रूप से विकसित या विकसित की जाने वाली प्रमुख अनुसंधान सुविधाओं का उपयोग किया जाएगा। इस मौके पर चांसलर सय्यद वसीम अख्तर व नसीम अख्तर आदि मौजूद रहे। (संवाद)

हिन्दुस्तान

गरीबा नए हिन्दुस्तान का

PAGE-8



इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, एनबीआरआई में गुरुवार को एमओयू साइन किया गया।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी-एनबीआरआई में करार

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी तथा एनबीआरआई बीच अनुसंधान तथा शैक्षिक गतिविधियों के लिए गुरुवार को एमओयू साइन किया गया। समझौते पर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जावेद मुसरत और एनबीआरआई के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. जावेद मुसरत ने बताया कि दोनों संस्थान मिलकर कई प्रमुख प्रोजेक्टों पर शोध करेंगे।

December 15, 2023



PAGE-6

इंटीग्रल विवि, NBRI मिलकर करेंगे रिसर्च
■ एनबीटी, लखनऊ: इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और सीएसआईआर-एनबीआरआई (राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान) के बीच बुधवार को समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और NBRI मिलकर अनुसंधान करेंगे। समझौते पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो जावेद मुसरत और CSRI-NBRI निदेशक डॉ अजीत कुमार शासनी ने हस्ताक्षर किए। मौके पर विश्वविद्यालय के चांसलर प्रो सैयद वसीम अख्तर, प्रो-चांसलर डॉ सैयद नदीम अख्तर, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एम फौजान अख्तर, CSRI-NBRI के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ मनीष एस भोयर मौजूद रहे।



PAGE-IV

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी व एनबीआरआई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

जागरण संवाददाता, लखनऊ : इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ ने गुरुवार को राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य एक संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करना है जहां एनबीआरआई और इंटीग्रल विश्वविद्यालय में पारस्परिक रूप से विकसित या विकसित की जाने वाली प्रमुख अनुसंधान सुविधाओं का उपयोग किया जाएगा। साथ ही वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय में विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने में सक्षम बनाया जाएगा।

समझौते पर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जावेद मुसरत और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान लखनऊ के निदेशक डा. अजीत कुमार शासनी ने हस्ताक्षर किए। प्रो. जावेद ने कहा कि अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के संदर्भ में यह राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और विश्वविद्यालयों के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने के लिए ये कदम उठाया गया है। एमओयू के अनुसार एनबीआरआई के वैज्ञानिकों और इंटीग्रल विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों की यात्राओं का आदान-प्रदान होगा, दोनों संगठन औपचारिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम, संगोष्ठी, अल्पकालिक आयोजन के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करने के लिए मिलकर काम करेंगे। यह समझौता ज्ञापन तीन वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा।

December 15, 2023



PAGE-2

انٹگرل یونیورسٹی اور سی ایس آئی آر این بی آر آئی میں ایم او یو



پروفیسر محمد حارث صدیقی رجنٹرار، ڈاکٹر محمد عاطف صدیقی چیئرمین ایم او یو
کوآرڈینیشن اور سی ایس آئی آر این بی آر آئی کے سینئر سائنسدان منیش
ایس بھویر بھی موجود تھے۔

لکھنؤ (ایس این بی)

انٹگرل یونیورسٹی نے آج جمعہ کو سائنس و صنعتی تحقیقی کونسل سی ایس آئی آر این بی آر آئی کے ساتھ ایم او یو پر دستخط کیے ہیں۔ اس معاہدہ سے انٹگرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر جاوید مسرت اور ڈاکٹر اجیت کمار شناسی ڈائریکٹری سی ایس آئی آر این بی آر آئی نے دستخط کیے۔ اس موقع پر پروفیسر جاوید مسرت نے کہا کہ تحقیق و تعلیمی سرگرمیوں کے سلسلہ میں یہ معاہدہ نیشنل لیب اور یونیورسٹیوں کے درمیان بہتر تعلقات قائم کرنے کے لیے کیا گیا ہے۔ اس تعاون کا مقصد ایک مشترکہ ریسرچ پروگرام شروع کرنا ہے، جہاں سی ایس آئی آر این بی آر آئی اور انٹگرل یونیورسٹی میں باہمی طور سے فروغ کیے جانے والے اہم تحقیقی سہولیات کا استعمال کیا جائے گا اور سائنسدانوں کو یونیورسٹی کے مختلف تعلیمی پروگراموں میں شرکت لینے کے لیے اہل بنایا جائے گا۔ اس موقع پر پروفیسر سید وسیم اختر چانسلر انٹگرل یونیورسٹی، ڈاکٹر سید ندیم اختر پرو چانسلر، ایم فیضان اختر ایگزیکٹو ڈائریکٹر،

December 15, 2023

हिन्दी दैनिक

@eksandesh

www.eksandesh.org

एक संदेश

PAGE-2

लखनऊ

उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली, झारखंड, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

हर खबर पर नजर

शुक्रवार, 15 दिसम्बर 2023

पृष्ठ-

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और सी.एस.आई.आर- एन.बी.आर.आई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने 13 दिसंबर 2023 को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.)-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सी.एस.आई.आर.-एन.बी.आर.आई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के कुलपति, प्रो. जावेद मुसरत और डॉ. अजीत कुमार शासनी, निदेशक, सी.एस.आई.आर.-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, ने हस्ताक्षर किए। कुलपति, प्रो. जावेद मुसरत ने कहा कि अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के संदर्भ में यह राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और विश्वविद्यालयों के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने के लिए हस्ताक्षरित किया गया है। इस सहयोग का उद्देश्य एक संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करना है जहां सी.एस.आई.आर.-एन.बी.आर.आई और इंटीग्रल विश्वविद्यालय में पारस्परिक रूप से विकसित या विकसित की जाने वाली प्रमुख अनुसंधान सुविधाओं का उपयोग किया जाएगा, और वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय में विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने में सक्षम बनाया जाएगा। इस मौके पर प्रो. सय्यद वसीम अख्तर, चांसलर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, डॉ. सय्यद नदीम अख्तर, प्रो-चांसलर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, श्री. एम. फौजान अख्तर, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, इंटीग्रल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी,



लखनऊ, प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, डॉ. मोहम्मद आतिफ सिद्दीकी, अध्यक्ष, एमओयू समन्वय कक्ष, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और सी.एस.आई.आर.-एन.बी.आर.आई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष एस भोयर भी मौजूद थे।

एमओयू के अनुसार, सी.एस.आई.आर.-एन.बी.आर.आई. के वैज्ञानिकों और इंटीग्रल विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों की यात्राओं का आदान-प्रदान होगा, और दोनों संगठन औपचारिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम, संगोष्ठी, अल्पकालिक आयोजन के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में उचित रूप से प्रशिक्षित जनशक्ति उत्पन्न करने के लिए मिलकर काम करेंगे। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आदि। यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करने की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा।

December 15, 2023

लखनऊ से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

R.N.I No. UPHIN/2004/14443

हिन्द वतन

PAGE-3

शुक्रवार 15 दिसम्बर 2023

पृष्ठ : 4

मूल्य: 1 रुपया

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और सी. एस. आई. आर- एन.बी.आर. आई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर



हिन्द वतन संवाददाता लखनऊ

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने 13 दिसंबर 2023 को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.)-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सी.एस.आई. आर-एन.बी.आर.आई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के कुलपति, प्रो. जावेद मुसरत और डॉ. अजीत कुमार शासनी, निदेशक, सी.एस.आई. आर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति, प्रो. जावेद मुसरत ने कहा कि अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के संदर्भ में यह राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और विश्वविद्यालयों के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने के लिए हस्ताक्षरित किया गया है। इस सहयोग का उद्देश्य एक संयुक्त



अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करना है जहां सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई और इंटीग्रल विश्वविद्यालय में पारस्परिक रूप से विकसित या विकसित की जाने वाली प्रमुख अनुसंधान सुविधाओं का उपयोग किया जाएगा, और वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय में विभिन्न शिक्षण

कार्यक्रमों में भाग लेने में सक्षम बनाया जाएगा। इस मौके पर प्रो. सय्यद वसीम अख्तर, चांसलर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, डॉ. सय्यद नदीम अख्तर, प्रो-चांसलर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, श्री. एम. फौजान अख्तर, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, इंटीग्रल इंस्टिट्यूट ऑफ

मेडिकल साइंसेज, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, डॉ. मोहम्मद आतिफ सिद्दीकी, अध्यक्ष, एमओयू समन्वय कक्ष, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष एस शीवर भी मौजूद थे।

एमओयू के अनुसार, सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई के वैज्ञानिकों और इंटीग्रल विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों को यात्राओं का आदान-प्रदान होगा, और दोनों संगठन औपचारिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम, संगोष्ठी, अल्पकालिक आयोजन के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में उचित रूप से प्रशिक्षित जनशक्ति उत्पन्न करने के लिए मिलकर काम करेंगे। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आदि। यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करने की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा।

December 15, 2023

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

युनाइटेड भारत

हिन्दी दैनिक

PAGE-2

क्र: 12, मूल्य: 3.00 रूपए

www.facebook.com/ubepaper

unitedbharat21@gmail.com

सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई और इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने 13 दिसंबर 2023 को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.)-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के कुलपति, प्रो. जावेद मुसरत और डॉ. अजीत कुमार शासनी, निदेशक, सी.एस.आई.आर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, ने हस्ताक्षर किए। कुलपति, प्रो. जावेद मुसरत ने कहा कि अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के संदर्भ में यह राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और विश्वविद्यालयों के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने के लिए हस्ताक्षरित किया गया है। इस सहयोग का उद्देश्य एक संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करना है जहां सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई और इंटीग्रल विश्वविद्यालय में पारस्परिक रूप से विकसित या विकसित की जाने वाली प्रमुख अनुसंधान सुविधाओं का उपयोग किया जाएगा, और वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय में विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने में सक्षम बनाया जाएगा। इस मौके पर प्रो. सय्यद वसीम अख्तर, चांसलर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, डॉ. सय्यद नदीम अख्तर, प्रो-चांसलर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, श्री. एम. फौज़ान अख्तर, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, इंटीग्रल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी,



लखनऊ, प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, डॉ. मोहम्मद आतिफ सिद्दीकी, अध्यक्ष, एमओयू समन्वय कक्ष, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष एस भोयर भी मौजूद थे। एमओयू के अनुसार, सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई के वैज्ञानिकों और इंटीग्रल विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों की यात्राओं का आदान-प्रदान होगा, और दोनों संगठन औपचारिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम, संगोष्ठी, अल्पकालिक आयोजन के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में उचित रूप से प्रशिक्षित जनशक्ति उत्पन्न करने के लिए मिलकर काम करेंगे। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आदि। यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करने की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा।

December 15, 2023

e-paper www.avadhnama.com

Postal Registration No. GPOLW/MP-50/2012-14 RNI No. UPURD/2001/6110

اودھ نامہ

LUCKNOW
روزنامہ

avadhnama

PAGE-3

انٹیکرل یونیورسٹی اور سی ایس آئی آر۔ این بی آر آئی کے درمیان ایم او یو پر دستخط



سہولیات باہمی طور پر تیار کی جائیں گی یا CSIR-NBRI اور انٹیکرل یونیورسٹی میں تیار کی جائیں گی، اور سائنسدانوں کو یونیورسٹی میں سیکھنے کے مختلف پروگراموں میں حصہ لینے کے قابل بنایا جائے گا۔ اس موقع پر پروفیسر سید وسیم اختر، چانسلر، انٹیکرل یونیورسٹی، لکھنؤ، ڈاکٹر سید ندیم اختر، پرو چانسلر، انٹیکرل یونیورسٹی، لکھنؤ، شری ایم فوزان اختر، ایگزیکٹو ڈائریکٹر، انٹیکرل انسٹی ٹیوٹ آف میڈیکل سائنسز، انٹیکرل یونیورسٹی، لکھنؤ، پروفیسر محمد حارث صدیقی، رجسٹرار، انٹیکرل یونیورسٹی، ڈاکٹر محمد عاطف صدیقی، چیئرمین، ایم او یو کوآرڈینیشن سیل، انٹیکرل یونیورسٹی اور C.S.I ڈاکٹر منیش ایس بھویر۔ NBRI کے سینئر سائنسدان بھی موجود تھے۔

لکھنؤ: 14 دسمبر (پی این ایس) انٹیکرل یونیورسٹی، لکھنؤ نے 13 دسمبر 2023 کو کونسل آف سائنٹیفک اینڈ انڈسٹریل ریسرچ (سی ایس آئی آر)۔ نیشنل بوٹینیکل ریسرچ انسٹی ٹیوٹ (این بی آر آئی) کے ساتھ ایک مفاہمت نامے پر دستخط کیے ہیں۔ اس معاہدے پر لکھنؤ کی انٹیکرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر جاوید مسرت اور ڈاکٹر اجیت کمار ششانی، ڈائریکٹر نیشنل بوٹینیکل ریسرچ انسٹی ٹیوٹ (ایس آر آئی) لکھنؤ نے دستخط کیے ہیں۔ وائس چانسلر پروفیسر جاوید مسرت نے کہا کہ ریسرچ اور علمی سرگرمیوں کے حوالے سے قومی لیبارٹریوں اور یونیورسٹیوں کے درمیان قریبی تعلقات قائم کرنے کے لیے دستخط کیے گئے ہیں۔ اس تعاون کا مقصد ایک مشترکہ ریسرچ پروگرام شروع کرنا ہے جہاں کلیدی ریسرچ

قومی خبریں

کومی خبرے

انٹیکرل یونیورسٹی اور سی ایس آئی آر-این بی آر آئی کے درمیان ایم او یو پر دستخط



لکھنؤ۔ انٹیکرل یونیورسٹی، لکھنؤ نے 13 دسمبر 2023 کو کونسل آف سائنٹیفک اینڈ ایڈوانسڈ ریسرچ (سی ایس آئی آر)۔ نیشنل یونیورسٹی ریسرچ انسٹی ٹیوٹ (این بی آر آئی) کے ساتھ ایک مفاہمت نامے پر دستخط کیے ہیں۔ اس معاہدے پر لکھنؤ کی انٹیکرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر جاوید مسرت اور ڈاکٹر اجیت کمار شھانی، ڈائریکٹر نیشنل یونیورسٹی ریسرچ انسٹی ٹیوٹ (این بی آر آئی) لکھنؤ نے دستخط کیے ہیں۔ وائس چانسلر پروفیسر جاوید مسرت نے کہا کہ ریسرچ اور علمی سرگرمیوں کے حوالے سے قومی لیبارٹریوں اور یونیورسٹیوں کے درمیان قریبی تعلقات قائم کرنے کے لیے دستخط کیے گئے ہیں۔ اس تعاون کا مقصد ایک مشترکہ ریسرچ پروگرام شروع کرنا ہے جہاں گھیدی ریسرچ سہولیات باہمی طور پر تیار کی جائیں گی یا CSIR-NBRI اور انٹیکرل یونیورسٹی میں تیار کی جائیں گی، اور سائنسدانوں کو یونیورسٹی میں سیکھنے کے حوالے

پر وگرموں میں حصہ لینے کے قابل بنایا جائے گا۔ اس موقع پر پروفیسر سید وسیم اختر، چانسلر، انٹیکرل یونیورسٹی، لکھنؤ، ڈاکٹر سید ندیم اختر، پروفیسر، انٹیکرل یونیورسٹی، لکھنؤ، شری ایم نوزان اختر، انگریز کینو ڈائریکٹر، انٹیکرل انسٹی ٹیوٹ آف میڈیکل سائنسز، انٹیکرل یونیورسٹی، لکھنؤ، پروفیسر محمد حارث صدیقی، رجسٹرار، انٹیکرل یونیورسٹی، ڈاکٹر محمد عارف صدیقی، چیئر مین، ایم او یو کوآرڈینیشن سیل، انٹیکرل یونیورسٹی اور C.S.I. ڈائریکشن ایس ایس بیورے-NBRI کے سینئر سائنسدان بھی موجود تھے۔

بانی: ایس ایم عمر فریدی

قومی تنظیم

Website: www.qaumitanzeem.com

QAUMI TANZEEM Lucknow کؤمی تانجیم

انٹیگرل یونیورسٹی اور سی ایس آئی آر - این بی آر آئی کے درمیان ایم او یو پر دستخط

انٹیگرل یونیورسٹی کے سائنسدانوں اور ٹیکنی میبران کے دوروں کا تبادلہ ہوگا، اور دونوں ادارے باہمی تعلیمی کورسز، سیمینارز، شہادت نامہ ایونٹ وغیرہ کے ذریعے متعلقہ شعبوں میں مناسب تربیت یافتہ افرادی قوت پیدا کرنے کے لیے مل کر کام کریں گے۔ تربیتی کورس وغیرہ مہینہ ایم او یو دستخط کی تاریخ سے 3 سال کی مدت کے لیے کارآمد ہوگا۔

صحافی محمد غفران نسیم کی والدہ کے انتقال پر جمعہ علماء کا اظہارِ تعزیت لکھنؤ: 14 دسمبر (ت ن س) جمعہ علماء اتر پردیش کے صدر مولانا عبدالرب قاسمی اعظمی، خازن سید محمد حسین ہاشمی اور دیگر عہدیداروں نے صحافی محمد غفران نسیم کی والدہ محترمہ کے انتقال پر گہرے رنج و غم کا اظہار کیا ہے۔ جمعہ علماء کے عہدیداروں نے غم کے ان لحاظات میں پسماندگان کو تسلی دیتے ہوئے مرحومہ کے لیے بلندی درجات کی دعا کی ہے۔ انہوں نے کہا کہ مرحومہ کی تربیت کا اثر ان کے بچوں میں نمایاں طور پر نظر آتا ہے۔ اللہ تعالیٰ ایسی نیک سیرت خاتون کو جنت میں اعلیٰ سے اعلیٰ مقام عطا فرمائے اور پسماندگان اور تمام متعلقین کو صبر جمیل عطا فرمائے۔ انہیں نیک راہ پر گامزن رہنے اور صالح اعمال کی توفیق عطا فرمائے۔



سید وسیم اختر، چانسلر، انٹیگرل یونیورسٹی لکھنؤ، ڈاکٹر سید ندیم اختر، پروفیسر، انٹیگرل یونیورسٹی لکھنؤ، شری ایم فوڈ ان اختر، ایگزیکٹو ڈائریکٹر، انٹیگرل انسٹی ٹیوٹ آف میڈیکل سائنسز، انٹیگرل یونیورسٹی لکھنؤ، پروفیسر محمد حارث صدیقی، رجسٹرار، انٹیگرل یونیورسٹی، ڈاکٹر محمد حافظ صدیقی، چیئرمین، ایم او یو کوآرڈینیشن سیل، انٹیگرل یونیورسٹی اور C.S.I ڈائریکٹیشن ایس ایس بیورے - NBRI کے سینئر سائنسدان بھی موجود تھے۔ مفاہمت نامے کے مطابق، NBRI - CSIR

مسرت نے کہا کہ ریسرچ اور علمی سرگرمیوں کے حوالے سے قومی لیبارٹریوں اور یونیورسٹیوں کے درمیان قریبی تعلقات قائم کرنے کے لیے دستخط کیے گئے ہیں۔ اس تعاون کا مقصد ایک مشترکہ ریسرچ پروگرام شروع کرنا ہے جہاں کلیدی ریسرچ سہولیات باہمی طور پر تیار کی جائیں گی یا NBRI - CSIR اور انٹیگرل یونیورسٹی میں تیار کی جائیں گی، اور سائنسدانوں کو یونیورسٹی میں سیکھنے کے مختلف پروگراموں میں حصہ لینے کے قابل بنایا جائے گا۔ اس موقع پر پروفیسر

لکھنؤ: 14 دسمبر (ت ن س) انٹیگرل یونیورسٹی، لکھنؤ نے 13 دسمبر 2023 کو کونسل آف سائنٹیفک اینڈ ایڈوائزریل ریسرچ (سی ایس آئی آر) - نیشنل پالیٹیکل ریسرچ انسٹی ٹیوٹ (این بی آر آئی) کے ساتھ ایک مفاہمت نامے پر دستخط کیے ہیں۔ اس معاہدے پر لکھنؤ کی انٹیگرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر جاوید مسرت اور ڈاکٹر اجیت کمار سھانی، ڈائریکٹر نیشنل پالیٹیکل ریسرچ انسٹی ٹیوٹ (این بی آر آئی) لکھنؤ نے دستخط کیے ہیں۔ وائس چانسلر پروفیسر جاوید

صحافت

SAHAFAT URDU DAILY, LUCKNOW

PUBLISHED FROM LUCKNOW, DELHI, MUMBAI, DEHRADUN & BIRMINGHAM (UK)

انٹیکرل یونیورسٹی اور سی ایس آئی آر- این بی آر آئی کے درمیان ایم او یو پر دستخط

لکھنؤ: (پی این ایس) انٹیکرل یونیورسٹی، یونین کالج ریسرچ انسٹی ٹیوٹی (ایس آئی آر آئی) لکھنؤ نے 13 دسمبر 2023 کو کونسل آف سائنٹیفک اینڈ انڈسٹریل ریسرچ (سی ایس آئی آر) سے ہائیڈرو پوائیونیرسٹی کے ساتھ ایک ایم او یو پر دستخط کیے ہیں۔



تھاٹس بنایا جائے گا۔ اس موقع پر پروفیسر سید وسیم اختر، چانسلر، انٹیکرل یونیورسٹی، لکھنؤ، ڈاکٹر سید ندیم اختر، پروفیسر چانسلر، انٹیکرل یونیورسٹی، لکھنؤ، شری ایم فوزان اختر، ایگزیکٹو ڈائریکٹر، انٹیکرل انسٹی ٹیوٹ آف میڈیکل سائنسز، انٹیکرل یونیورسٹی، لکھنؤ، پروفیسر محمد حارث صدیقی، رجسٹرار، انٹیکرل یونیورسٹی، ڈاکٹر محمد عاطف صدیقی، چیئرمین، ایم او یو کوآرڈینیشن سیل، انٹیکرل یونیورسٹی اور C.S.I.R. ڈاکٹر منیش ایس بھویر NBR+CSIR کے سینئر سائنسدان بھی موجود تھے۔

انٹیکرل یونیورسٹی کے ساتھ ایک مفاہمت نامے پر دستخط کیے ہیں۔ اس معاہدے پر لکھنؤ کی انٹیکرل یونیورسٹی کے چانسلر پروفیسر جاوید مسرت اور ڈاکٹر اجیت کمار سہتانی، ڈائریکٹر جنرل و ہانس ایپ سے تین طلاق دینے کے معاملے میں شوہر سمیت

حوالے سے قومی لیبارٹریوں اور یونیورسٹیوں کے درمیان قریبی تعلقات قائم کرنے کے لیے دستخط کیے گئے ہیں۔ اس تعاون کا مقصد ایک مشترکہ ریسرچ پروگرام شروع کرنا ہے جہاں کلیدی ریسرچ سہولیات باہمی طور پر تیار کی جائیں گی یا NBR+CSIR اور انٹیکرل یونیورسٹی میں تیار کی جائیں گی، اور سائنسدانوں کو یونیورسٹی میں سیکھنے کے مختلف پروگراموں میں حصہ لینے کے

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

लखनऊ (सिग्मा न्यूज)। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने 13 दिसंबर 2023 को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर)-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के कुलपति, प्रो. जावेद मुसरत और डॉ. अजीत कुमार शासनी, निदेशक, सी.एस.आई.आर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति, प्रो. जावेद मुसरत ने कहा कि अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के संदर्भ में यह राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और विश्वविद्यालयों के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने के लिए

हस्ताक्षरित किया गया है। इस सहयोग का उद्देश्य एक संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करना है जहां सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई और इंटीग्रल विश्वविद्यालय में पारस्परिक रूप से विकसित या विकसित की जाने वाली प्रमुख अनुसंधान सुविधाओं का उपयोग किया जाएगा, और वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय में विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने में सक्षम बनाया जाएगा। इस मौके पर प्रो. सय्यद वसीम अख्तर, चांसलर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, डॉ. सय्यद नदीम अख्तर, प्रो-चांसलर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, श्री. एम. फौजान अख्तर, एजीक्यूटिव डायरेक्टर, इंटीग्रल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, प्रोफेसर मोहम्मद हारिस

सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, डॉ. मोहम्मद आतिफ सिद्दीकी, अध्यक्ष, एमओयू समन्वय कक्ष, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष एस भोयर भी मौजूद थे। एमओयू के अनुसार, सी.एस.आई.आर-एन.बी.आर.आई. के वैज्ञानिकों और इंटीग्रल विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों की यात्राओं का आदान-प्रदान होगा, और दोनों संगठन औपचारिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम, संगोष्ठी, अल्पकालिक आयोजन के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में उचित रूप से प्रशिक्षित जनशक्ति उत्पन्न करने के लिए मिलकर काम करेंगे। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आदि। यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करने की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा।

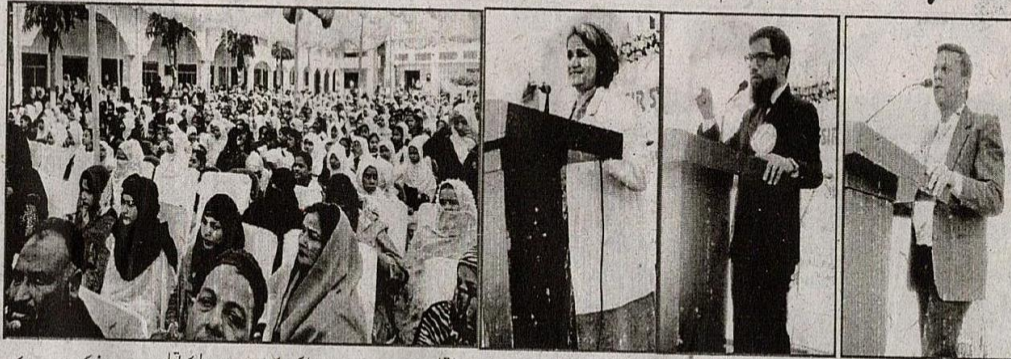


December 17, 2023



اتر پردیش میں لڑکیوں کے لیے ایک نئی یونیورسٹی قائم ہونی چاہئے: نرہت حسین

سر سید گرلس انٹر کالج قاضی پورہ کا 25 ویں یوم تاسیس تڑک و احتشام سے منایا گیا، اہم شخصیات کی شرکت



بہار نوج (عبدالرحمن، بیچے بھارتی) سر سید گرلس انٹر کالج قاضی پورہ کا 25 واں یوم تاسیس آج ہفتہ کو انتہائی تڑک و احتشام کے ساتھ منایا گیا۔ اس تقریب میں ماہر تعلیم اور رام منوہر لوہیا انسٹی ٹیوٹ آف میڈیکل سائنسیز کی سابق ڈائریکٹر نرہت حسین اور انٹیکل یونیورسٹی کے پروفیسر سید ندیم اختر نے بطور مہمان خصوصی شرکت کی۔ اس موقع پر نرہت حسین نے لڑکیوں کی تعلیم پر زور دیتے ہوئے کہا کہ یوٹی میں ایک نئی گرلس یونیورسٹی قائم ہونی چاہئے۔ انھوں نے کہا کہ حکومت خواتین کی تعلیم پر خصوصی توجہ دے رہی ہے۔ ضرورت اس بات کی ہے کہ ہم سب ایک ساتھ مل کر ایک مثبت لہر کے ساتھ حکومت کی توجہ اس جانب میڈل کرائیں کہ جو بھی ادارے قائم ہیں انہیں ترقی دی جائے تاکہ نئی میں معیاری تعلیم کا نظم ہو۔ انھوں نے کہا کہ نئی گرلس یونیورسٹی میں سائنس، ٹیکنالوجی اور انٹرنیشنل ایجوکیشن کا بہتر انتظام ہوتا ہے کہ یہاں سے فارغ ہونے والی طالبات کا بہتر سے بہتر پروفیشن کو ریز میں انتخاب ہوا۔ انھوں نے کہا کہ اتر پردیش میں تقریباً 20 فیصد اہلیتوں کی آبادی ہے اور جس طرح سے دور حاضر میں آئندہ 25 سے 30 برسوں میں معاشی ترقی کی بات کی جا رہی ہے تو اس 20 فیصد آبادی کو پس پشت ڈال کر تو معاشی ترقی نہیں ہو سکتی۔ انھوں نے کہا کہ بہتر ایشیاں سے ایک ایک ایسا پروجیکٹ تیار کیا جائے جو قابل قبول بھی ہو اور جس کا مقصد لڑکیوں کو تعلیم

نے کالج کی تعلیمی رپورٹ پیش کرتے ہوئے کہا کہ اس کالج میں تقریباً 1000 بچیاں تعلیم حاصل کر رہی ہیں ہمارا مقصد صرف ساج کے نادار اور کمزور طبقہ کے بچوں کو بہتر تعلیم مہیا کرنا ہے اس کالج کے تعلیمی معیار کے فروغ میں کالج کی پرنسپل جنرل قاضی پورہ اور اسٹاف کا بہت ہی اہم رول رہا ہے۔ پروگرام کی نظامت طارق خان نے کی اس موقع پر کالج انتظامیہ کی جانب سے مہمان خصوصی ڈاکٹر نرہت حسین، ڈاکٹر سید ندیم اختر، حافظ حنیف، ہند محمد، نجم جفر جیلانی (ایڈوکیٹ)، جاوید صدیقی کوڈسٹال اور ایڈوکیٹ نشان پیش کران کا خیر مقدم کیا۔ اس پروگرام کے موقع پر سید شفاعت حسین، ڈاکٹر ایف آر ملک، ڈاکٹر محمد فیصل، سلیم صدیقی، ایس ایم انس زیدی، ڈاکٹر مبارک محمد سلیم رومی فرزانہ انصاری، ناصر خاں، عارف خاں، حمید شاہ سمیت کثیر تعداد میں طالبات اور ان کے سرپرست اور کالج انتظامیہ کے اراکین و مینجرس موجود رہے۔

لوگوں میں تعلیمی بیداری پیدا ہو اس لیے علی گڑھ کی طرز پر پورے ملک میں تعلیمی ادارے قائم ہونے چاہئے۔ انتظامیہ کمیٹی کے صدر ڈاکٹر عبدالرحمان خاں نے کالج کے 25 برس کے طویل سفر کی رپورٹ پیش کی اور کہا کہ اس ادارے کا قیام مرحوم عبدالحمید انصاری ایڈوکیٹ، سید سعادت علی دے، اہل شکیلہ، نیچے خاں، مرحوم حاجی منظور، رفعت اللہ، حاجی قمر مرحوم، اعجاز خاں، ایوب مٹھیلہ، جمیل اسلام، حاجی الیاس وغیرہ کی کاوشوں کا نتیجہ ہے اور ہمارے اس خراب کو شرمندہ تعمیر کرنے میں سابق ممبر اسمبلی مرحوم سید زرقان حیدر (جس میاں) کا بھی اہم رول رہا ہے۔ اس کالج کا سنگ بنیاد منظر اسلام مولانا سید ابوالحسن علی میاں ندوی اور اے ایم یو کے سابق وی وی سید حامد نے 1997 میں رکھا تھا اور تب سے یہ ادارہ مسلسل ترقی کی راہ پر گامزن ہے۔ اس موقع پر کالج انتظامیہ کمیٹی کے منجبر سابق چیئر مین حاجی نیچے خاں

پڑھانے کے لیے کی گئی تھی۔ محنت کرنی پڑتی ہے۔ انھوں نے کہا کہ مسلمانوں میں تعلیم کا رجحان بڑھا ہے لیکن ابھی بہت گنجائش ہے میں ساج کے کئی طبقات بالخصوص مسلمانوں سے اپیل کروں گا کہ وہ اپنے بچوں بالخصوص لڑکیوں کی تعلیم دے کر زندگی کے ہر شعبہ میں انہیں خود فیصل بنانا ہو۔ انھوں نے کہا کہ حالانکہ لڑکیوں کی تعلیم پر کام ہو رہا ہے لیکن مزید کام کی ضرورت ہے اگر ایک اچھا پروجیکٹ حکومت کے سامنے پیش کیا جائے تو اس پر کارروائی بھی ہو سکتی ہے۔ انھوں نے انٹیکل یونیورسٹی کے بانی سید ندیم اختر کی کاوشوں کو سراہتے ہوئے کہا کہ انٹیکل یونیورسٹی نے جو کام کیا ہے وہ قابل تعریف ہے۔ وہاں بہتر ماحول ہے اچھے کورسز ہیں اور سبھی نصاب جدید تقاضوں کو پورا کرتے ہیں۔

انٹیکل یونیورسٹی کے پروفیسر سید ندیم اختر نے کہا کہ سر سید گرلس انٹر کالج کا تعلیمی معیار بہت بہتر ہے اور جس طرح یہاں کی طالبات نے اپنی تعلیمی لیاقت کا مظاہرہ کیا ہے وہ قابل تعریف ہے۔ یہاں کے اساتذہ اور انتظامیہ نے بچیوں پر کافی محنت کی ہے جس کے لیے وہ مبارکباد کے مستحق ہیں۔ انھوں نے کہا کہ بچیوں کو ایک گھنٹہ